हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 7 अप्रैल 2026

11 उमरावत में तीन-चार महीने से नहीं आया पानी...

12 मानसून आने से पहले आबादी क्षेत्र और खेतों ...

SARASWATI VIDYA VIHAR
Asalwas Dubia
ADMISSION OPEN 2026
NCC TRAINING PROGRAMME
Leaders Of Tomorrow, Cadets Today
911 411 6000 | 911 411 8000

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य आपकी मुट्ठी में कार्यक्रम आज

बहल। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बहल की ओर से विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्थापना दिवस सात अप्रैल से स्वास्थ्य आपकी मुट्ठी में विषय के अंतर्गत मेडिटेशन और प्राणायाम से स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन शैली कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम में सांगवान हॉस्पिटल के आयुर्वेद व प्राणायाम विशेषज्ञ डॉ. सुरेन्द्र सांगवान सेवाएं देंगे। कार्यक्रम रामलीला मैदान में कृष्ण वाटिका के सामने ब्रह्माकुमारीज के प्रांगण में प्रतिदिन सुबह छह बजे से साढ़े छह बजे तक रहेगा।

तेलीवाड़ा के हनुमान मंदिर में रक्तदान शिविर 13 को

भिवानी। रक्तदान महादान है, इससे बढ़कर कोई दान नहीं हैं। रक्त की उपयोगिता वहीं जानता है जिसका कोई अपना रक्त की कमी से जूझा हो। 13 अप्रैल सोमवार को तेलीवाड़ा जैन चौक स्थित हनुमान मंदिर में चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल के रक्तकोष की टीम स्वर्गीय रुपनारायण बवेजा कि 5वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। दीपक बवेजा दीपू राजा ने बताया कि शिविर में युवा रक्तदाता भाग लेंगे।

बाल सेवा आश्रम व सखी वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण

भिवानी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर. चालिया के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम)-कम-सचिव पवन कुमार ने जिले के बाल सेवा आश्रम व सखी वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों केंद्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, उपचार प्रक्रियाओं, परामर्श सेवाओं तथा पुनर्वास से जुड़ी सुविधाओं का गहन निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की

बाल सेवा आश्रम के निरीक्षण के दौरान सीजेएम पवन कुमार ने बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आश्रम में रह रहे बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाए, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। इसके उपरांत सखी वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिलाओं के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, अस्थायी आवास एवं पुनर्वास सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पीड़ित महिलाओं को त्वरित, संवेदनशील और गोपनीय सहायता प्रदान की जाए तथा उनकी गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाए।

लोगों ने कार्यकारी अभियंता को सौंपा ज्ञापन, रोड जाम की चेतावनी

ऊंचे-नीचे के लेवल में उलझा बैंक कॉलोनी के रोड का निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बैंक कॉलोनी में वार्ड-10 व 11 के बीच बनने वाली सड़क के लेवल को लेकर दो धड़ों में तन गई है। विगत में एक व्यक्ति ने शिकायतपत्र देकर सड़क को ऊंची न उठाने की शिकायत देकर नीचे करने की मांग कर डाली। निर्माण एजेंसी ने सड़क को नीचा बनाने के लिए लेवल करना आरंभ किया तो दूसरे पक्ष ने पहुंचकर इसका विरोध जता दिया। बल्कि दूसरे पक्ष ने सोमवार को जिला परिषद के कार्यकारी अभियंता के कार्यालय पहुंचकर अपना लिखित में विरोध भी जताया।

दूसरे पक्ष का तर्क था कि उक्त रोड को ऊंचा उठाकर ही बनाया जाए। अगर इस सड़क का लेवल नीचा किया तो वे सड़क का निर्माण कार्य को बंद करवाएंगे। यहां तक अगर उनको रोड जाम करना पड़े तो भी वे उससे पीछे नहीं हटेंगे। दूसरी तरफ इस मामले में कार्यकारी अभियंता ने सड़क का पानी की निकासी के हिसाब से लेवल करवाकर निर्माण करवाए जाने का भरोसा दिलाया है।

बैंक कॉलोनी में सड़क का निर्माण कार्य जिला परिषद द्वारा करवाया जा रहा है। पहले ठेकेदार ने सड़क का लेवल कर दिया था। सड़क बनाने की तैयारी शुरू ही की थी कि एक व्यक्ति ने सड़क का लेवल ऊंचा होने की शिकायत कर दी। उसके बाद जेई ने सड़क का लेवल नीचा करवाना शुरू कर दिया। जिसका अब दूसरा पक्ष के लोगों ने विरोध कर दिया। सोमवार को दूसरा पक्ष मामले की शिकायत लेकर जिला परिषद के कार्यालय पहुंचे और कार्यकारी अभियंता के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज करवाई। बैंक कॉलोनी निवासी देवेंद्र ने बताया कि पहले इस सड़का लेवल सही लिया था। अब इसका लेवल न जाने किस वजह से डाऊन करना शुरू कर दिया है। इसके लिए हमें डीसी के पास जाना पड़े या दिल्ली रोड जाम करना पड़े तो वे उससे पीछे नहीं हटेंगे। पहले जो लेवल लिया गया था। उस लेवल में सड़क का निर्माण करवाया जाए। अगर नीचा लेवल लिया तो सड़क का निर्माण नहीं होने देंगे। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि ठेकेदार ने पहले रोड़े डालकर लेवल किया था। उस जगह पर करीब दो से ढाई फुट तक पानी भरता था।

भिवानी। शिकायतपत्र सौंपने जाते बैंक कॉलोनी के लोग। फोटो : हरिभूमि

लेवल की करवाई जाएगी जांच

इस बारे में कार्यकारी अभियंता जसवंत ने बताया कि बनने वाली सड़क के लेवल की समस्या है। उसकी कल जांच करवाई जाएगी। उसके बाद यह सुनिश्चत किया जाएगा कि किस लेवल में पानी की निकासी सही ढंग से हो पाएगी। उसकी जांच करवाने के बाद ही निर्माण करवाया जाएगा।

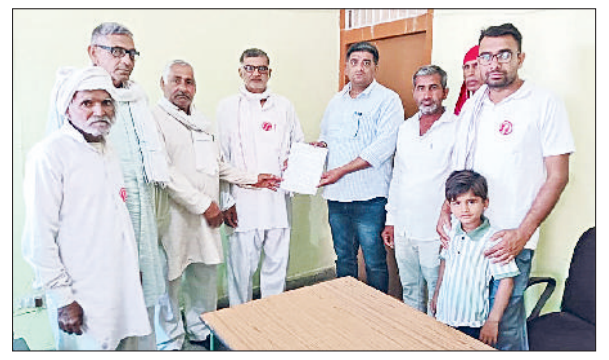

बवानीखेड़ा। मांगों को लेकर सचिव को ज्ञापन सौंपते हुए।

नई मंडी नीति से किसानों और छोटे व्यापारियों की परेशानियां बढ़ीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में किसानों और किसान सभा के सदस्यों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। राजेश कुमार, रमेश चंदर, रत्न सिंह, जगमेंदर ल, रामोतार, राजेंदर, राजबीर आदि ने बताया कि क्षेत्र में नई मंडी नीति और मंडी व्यवस्थाओं से किसानों और छोटे व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में उन्होंने प्रशासन से उचित समाधान की मांग की। किसानों ने ज्ञापन में बताया कि मंडी में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जटिल होने के कारण कई किसान और छोटे व्यापारी अपनी फसल बेचने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि यदि समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाता तो उन्हें अपनी उपज को उचित दाम पर बेचने में परेशानी होती है। इसलिए उन्होंने मंडी में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को सरल करने की मांग की। किसानों ने मंडी में काम करने वाले मजदूरों और छोटे व्यापारियों की समस्याओं को भी उठाया। किसानों ने मांग की कि मंडी में काम करने वाले सभी लोगों के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंडी की व्यवस्था सुचारू रखना जरूरी है ताकि किसानों को फसल में परेशानी न हो।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

पशु चिकित्सकों ने काली पट्टी बांध किया कार्य, नारे लगाए

■ हिप्पो का उपचार करते समय हो गई थी डा. समीक्षा की मौत, नहीं मिला न्याय : डा. रविंद्र सहरावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भारतीय पशु चिकित्सा संघ के आह्वान पर पशु चिकित्सक डा. समीक्षा रेड्डी को न्याय दिलवाने के लिए सभी पशु चिकित्सकों ने सोमवार को काली पट्टी पहनकर पशुओं का उपचचार किया और वेटनरी पालीक्लीनिक में एकत्रित होकर कर्नाटक सरकार से न्याय दिलाने के लिए नारेबाजी की।

भारतीय पशु चिकित्सा संघ के उपप्रधान डा. रविंद्र सहरावत ने कहा कि डा. समीक्षा होनहार पशु चिकित्सक थी, उसे रात 11 बजे चिड़ियाघर में एक हिप्पो का उपचार करने के लिए प्रशासन ने बिना सुरक्षा व प्रोटोकॉल के भेज दिया। हिप्पो के अटैक से उसकी मृत्यु हो गई। कर्नाटक चिड़ियाघर प्रशासन ने खुद की कमी छिपाने के लिए सारा दोष डा. रेड्डी पर ही मढ़ दिया। कार्रवाई करने की बजाए डा. समीक्षा रेड्डी को ही दोषी ठहराया जा रहा है। भारतीय पशु चिकित्सा संघ डा. समीक्षा रेड्डी को न्याय दिलवाने व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करता है। भिवानी पशु चिकित्सा संघ के अध्यक्ष सुरेश सांगवान ने कहा कि सोमवार को पूरे जिले के पशु चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर रोष प्रदर्शन करते हुए पशुओं का उपचार किया और उन्होंने बताया कि इस दुख की घड़ी में पूरा भारतीय पशु चिकित्सक संघ पीड़िता के साथ खड़ा है।

धानक रत्न चौ. अमर सिंह धानक पूर्व मंत्री की 95वीं जयंती

धानक रत्न चौ० अमर सिंह धानक पूर्व मंत्री का जन्म 7 अप्रैल 1930 को गांव खाण्डाखेड़ी संयुक्त पंजाब, अब तहसील हांसी जिला हिसार इनके पिता छोटूराम व माता श्रीमती मनोहरी देवी के निर्धन परिवार में हुआ था। गरीब परिवार में जन्म होने के पश्चात और अनुसूचित जाति के होने के कारण उस समय छुआछूत का बड़ा बोलबाला था जिसके कारण उनको शिक्षा ग्रहण करने के लिए भी काफी मुश्किलें और तानों का सामना करना पड़ा और बचपन में ही उनके पिता श्री छोटूराम जी का निधन हो गया। माता मनोहरी देवी ने मेहनत मजदूरी करके अपने बच्चों को जिनमें इनके बड़े भाई श्री फूल सिंह व छोटे भाई श्री चरतरसिंह, दो बहनें श्रीमती लक्ष्मी देवी व चलती देवी का पालन पोषण किया। चौ० अमरसिंह ने गांव खाण्डाखेड़ी में ही प्राइमरी शिक्षा ग्रहण की और फिर स्वामी आत्मानन्द आश्रम रोहतक में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए रोहतक गए जहां उन्होंने बी.ए. पास की। इसके उपरान्त एम.ए. अंग्रेजी व एल.एल.बी. की डिग्री दिल्ली यूनिवर्सिटी से हासिल की। पढ़ने लिखने में काफी बुद्धिमान थे। इसके बाद वे Excise and Taxation Department में Taxation Inspector के पद पर कार्य करने लगे। गांव खाण्डाखेड़ी से श्री सुरजमल व गांव वालों के कहने पर चौ० अमरसिंह को नौकरी छुड़वाकर राजनीति में आने पर विवश किया और 1962 में चौ. दलवीर के सामने नारनौंद विधानसभा हल्के से एक आजाद उम्मीदवार के तौर चुनाव लड़वाया जिसमें उन्होंने चौ. दलवीर सिंह को पराजित कर संयुक्त पंजाब विधानसभा के नारनौंद क्षेत्र से चुने गए। 36 बिरादरी ने इनका साथ दिया और चौ० अमरसिंह जी ने भी

लोगों को मान सम्मान दिया और लोगों के दिलों में अपना घर बनाया। 1972 में बवानीखेड़ा (आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए जिसमें उन्होंने सुंदर प्रभु सिंह को जो कि तत्कालीन मंत्री थे को पराजित किया। वर्ष 1982 में वे पुनः बवानीखेड़ा आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए जिसमें उन्होंने चौ. जगन्नाथ तत्कालीन मंत्री को शिकस्त दी और वे 06.10.1982 से 02.07.1983 तक मुख्य संसदीय सचिव तथा 14.09.1984 से 04.06.1986 तक लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) मंत्री रहे तथा वे 06.12.1986 से 19.06.1987 तक परिवहन मंत्री रहे। वर्ष 1991 में वे चौथी बार बवानीखेड़ा आरक्षित सीट से विधायक चुने गए और पुनः 20.09.1994 से लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) कैबिनेट मंत्री रहे। उन्हें अखिल भारतीय 'धनक समाज द्वारा' धानक रत्न अवार्ड से दिनांक 04.11.2004 को स्वामी जीतू पतित पावन पाठशाला भिवानी में सम्मानित किया गया। उन्होंने गरीबों और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया। वे आल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासिस फेडरेशन के अध्यक्ष भी रहे। वे अपनी ईमानदारी, सादगी, मिलनसार स्वभाव तथा निस्वार्थ समाज सेवा के लिए जन-जन में लोकप्रिय थे। उनका चार दशक से भी अधिक का राजनीतिक जीवन बेदाग रहा। 26.11.2004 को वे दिल्ली में किसी रिश्तेदार की शादी में शरीक होकर वापस हांसी आ रहे थे कि रात को 1 बजे के करीब उनका सड़क दुर्घटना में उनका देहांत हो गया। उनके परिवार में 3 पुत्र व 3 पुत्रियां हैं। उनकी पत्नी का भी 2010 में देहान्त हो चुका है। हर साल 7 अप्रैल को चौ. अमर सिंह धानक जयन्ती धानक समाज द्वारा मनाई जाती है।

Naman Rajendra Dhanak
(Advocate)

विज्ञापन

हज़ारों की संख्या में संगत ने पहुंचकर महाराज के दर्शन का लाभ उठाया

सत्संग का मिलना मनुष्य जीवन का सर्वोच्च सौभाग्य: कंवर साहेब

बहल में नया आध्यात्मिक केंद्र कंवर साहेब ने राधा स्वामी आश्रम की नींव रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

राधा स्वामी दिनोद के परम संत कंवर साहेब महाराज ने बहल निवासी संगत के लिए राधा स्वामी दिनोद आश्रम के नवीन आध्यात्मिक केंद्र की आधारशिला रखी। यह नव-निर्माणाधीन आश्रम बहल –राजगढ़ मार्ग पर स्थित है, जहाँ कल हज़ारों की संख्या में संगत ने पहुँचकर महाराज जी के दर्शन का लाभ उठाया, उनका सत्संग श्रवण किया तथा प्रसाद वितरण और भंडारे का भी आयोजन किया गया।

महाराज जी ने अपने सत्संग में यह अनमोल वचन फरमाए। सत्संग का मिलना मनुष्य जीवन का सर्वोच्च सौभाग्य है। यह वह स्थान है जहाँ भक्ति, सेवा, प्रेम और समभाव का वास्तविक सार समझ में आता है। संत बताते हैं कि सेवा ही भक्ति का प्रथम द्वार है—जो सेवा करता है, उसके भीतर प्रेम जन्म लेता है और प्रेम ही भक्ति का मूल है। सत्संग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ जाति, धर्म, ऊँच-नीच या अमीरी-गरीबी का कोई भेद नहीं रहता। विभिन्न गाँवों, परिवारों और भूमियों से आए लोग एक पंगत में बैठकर समान रूप से प्रसाद ग्रहण करते हैं। सच्चा सत्संग वही है जहाँ माता-पिता की सेवा, बुजुर्गों का आदर, छोटे-बड़ों से उचित व्यवहार, मिलजुलकर रहने की प्रेरणा और संस्कारों की शिक्षा दी जाए। महापुरुषों का कहना है कि मनुष्य को सिर्फ अपने घर ही नहीं, बल्कि अपने पाँच घर दाएँ–पाँच घर बाएँ भी देखकर सोना चाहिए कि कहीं कोई भूखा तो नहीं रह गया। यही मानवीयता और यही सच्ची भक्ति है। जहां प्रेम है, वहीं प्रभु का निवास है। लेकिन आज का समय आपाधापी से भरा हुआ है। परिवारों में क्लेश, भाई-भाई में मनमुटाव, सास-बहू में तकरार, समाज में ईर्ष्या और द्वेष बढ़ता जा रहा है—क्योंकि प्रेम का पाठ नहीं पढ़ा, शांति का मार्ग नहीं अपनाया। रामराज्य इसलिए श्रेष्ठ था क्योंकि वहाँ प्रेम और त्याग था, जबकि आज समाज में रावण जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं।

बहल। नवनिर्माणाधीन भवन की नीवं रखवाते संत कंवर साहेब।

बुरी संगति की ओर बढ़ रही नौजवान पीढ़ी

नौजवान पीढ़ी नशे और बुरी संगति की ओर बढ़ रही है। एक बुरी आदत पूरे परिवार को बरबाद कर देती है। शराब इंसान को झूठ, झगड़े, हिंसा और चोरी की ओर ले जाती है। इसलिए हुक्का, तंबाकू, बीड़ी, शराब इन सबका त्याग भक्ति का पहला ठोस नियम बताया गया है।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
7 अप्रैल 2026

सहेली

विशेष
विश्व स्वास्थ्य दिवस

महिलाएं परिवार की देखभाल में ऐसी खो जाती हैं कि स्वयं पर उनका ध्यान जाता ही नहीं। ऐसी स्थिति में उनका स्वास्थ्य गिरता जाता है, वे बीमार हो जाती हैं। परिवार के सदस्यों की देखभाल के साथ अपना ध्यान रखना भी जरूरी है। इसीलिए इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम है-टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस। हम प्रैक्टिकल और साइंटिफिक सोच अपना कर स्वयं और पूरे परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं।

अपनों को संभालते हुए स्त्रियां खुद को भी संभालें

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

सेहत को जीवन का सबसे बड़ा धन कहा गया है। अच्छे स्वास्थ्य से ही क्वालिटी ऑफ लाइफ को आंका जाता है। हेल्थ प्रॉब्लम्स की दस्तक ही जीवन को हर फ्रंट पर मुश्किल बना देती हैं। यूं तो हर इंसान का ही मेंटली, इमोशनली और फिजिकली फिट रहना आवश्यक है, पर महिलाओं का शारीरिक रूप से स्वस्थ और भावनात्मक मोर्चे पर मजबूत होना और भी जरूरी है। उनके हिस्से अपनों की देखभाल का जिम्मा भी होता है। स्त्रियों को घर के बच्चों-बुजुर्गों की केयर से जुड़ी भाग-दौड़ करनी होती है। महिलाओं को ही शारीरिक परेशानी या मानसिक उलझनों से जूझते हुए अपनों की हर जरूरत का ख्याल रखना होता है। बावजूद इसके स्त्रियां अपने ही स्वास्थ्य को दोयम दर्जे पर रखती हैं, जबकि उन्हें अपनों को संभालते हुए खुद को भी संभालना चाहिए।

साइंटिफिक अप्रोच अपनाएं

महिलाएं अपनों को लेकर बहुत भावुक होती हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे-युवा, सबकी केयर में खुद की अनदेखी करती रहती हैं। व्यस्तता की स्थिति में महिलाओं की हेल्थ बिगड़ती है। ऐसे में महिलाएं स्वास्थ्य के मामले में इमोशन फीलिंग्स की बजाय साइंटिफिक अप्रोच को अपनाएं। यह स्पष्ट रूप से समझ लें कि हर इंसान का शरीर एक बायोलॉजिकल मशीन ही है। महिला-पुरुष के फर्क से परे इसे हर हाल में देखभाल की जरूरत होती है। गौरतलब है कि इस साल वर्ल्ड हेल्थ-डे की थीम भी 'टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस' ही है। यह विषय स्वास्थ्य से संबंधित चीजों को साइंटिफिक सोच के साथ समझने का आह्वान करता है। इसीलिए सेहत संभालने के लिए घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ ही, हेल्थ से जुड़े फैक्ट्स और साइंस आधारित गाइडलाइंस को भी फॉलो करें। प्रैक्टिकली देखा जाए तो इस वर्ष की थीम, भावनाओं में बहने के बजाय वैज्ञानिक समझ से जोड़कर अपनों और अपनी देखभाल की संतुलित समझ रखने की बात लिए है। परिवार में किसी के बीमार होने पर डॉक्टर्स भी तो यही कहते हैं कि मरीज की देख-भाल के साथ-साथ महिलाएं खुद की सेहत का भी ध्यान रखें। महिलाओं को ठीक रहना, सब कुछ ठीक से संभालने की पहली शर्त है।

संतुलित लाइफस्टाइल चुनें

घर-परिवार के कामों की व्यस्तता के बीच कई महिलाएं कठिन व्रत, उपवास करती हैं तो कई सुबह-सुबह की भागदौड़ में नाश्ता तक नहीं कर पातीं। बहुत-सी कामकाजी महिलाएं घर और वर्कप्लेस, दोनों की जिम्मेदारियां साधती हैं। लेकिन उन्हें अपनी संभाल की सुध नहीं रहती। आज भी महिलाएं त्योहारों, बच्चों के एग्जाम्स, अपनों की हारी-बीमारी और सामाजिक-पारिवारिक आयोजनों में खुद को पूरी तरह भुला देती हैं। ध्यान रहे, समय गुजर जाता है लेकिन आपका शरीर, मन-मस्तिष्क हर तरह की अनदेखी को याद रखता है। यह आम-सी अनदेखी बड़ी बीमारियों की जड़ बन जाती है। आज के समय में सही समय पर भोजन न करना, बड़ी उम्र की महिलाओं में ही नहीं, युवतियों में भी डाइजेशन और एसिडिटी की तकलीफ का बड़ा कारण है। साथ ही घर-दफ्तर की भाग-दौड़ में स्त्रियां एक्सरसाइज के लिए भी समय नहीं निकाल पातीं। हाउसवाइव्स तो घर के काम को ही कसरत समझती हैं। जबकि कुछ वक्त निकालकर योग, कसरत, ध्यान और प्राणायाम करना हेल्थ सही रखने के लिए बेहद जरूरी है। देखने में आता है कि आराम करने, ताजा भोजन करने और फिजिकल एक्टिविटी करने के लिए घर के दूसरे सदस्यों को प्रोत्साहित करने वाली स्त्रियां खुद इन आम सी बातों को भी नहीं अपनातीं। जबकि आज की जटिल जीवनशैली में तो बैलेंस्ड लाइफस्टाइल अपनाना सभी के लिए आवश्यक हो चला है।

भावनात्मक सेहत की संभाल

स्त्रीमन को अपराधबोध भी बहुत जल्दी घेरता है। अपनों की देखभाल में जरा-सी चूक होना उन्हें गिल्ट के घेरे में ले आता है। ऐसी मनःस्थिति हार्मोनल चेंज की बड़ी वजह बनती है। कई घरों में उनकी संभाल-देखभाल की भागीदारी के लिए सराहना के दो शब्द तक नहीं कहे जाते। जिसके चलते वे उपेक्षित और कमतर महसूस करती हैं। अपनों का यह बर्ताव भी मनोभावों पर नेगेटिव असर डालता है। मन की हेल्थ पर दुष्प्रभाव डालने वाली ऐसी बातें बहुत से साइंटिफिक रिसर्च में भी सामने आ चुकी हैं। इतना ही नहीं, थका-उलझा सा मन शरीर को भी बीमार बना देता है। हर पल की चिंता दिल की सेहत भी बिगाड़ती है। हर दिन अपनी जिम्मेदारियां निभाने की भाग-दौड़ से महिलाएं अच्छी नींद भी नहीं ले पातीं। इससे ना सिर्फ तनाव और अवसाद बढ़ता है बल्कि नींद की कमी तो हेल्थ के हर पहलू को प्रभावित करती है। कई महिलाओं को रिश्तों की उलझनें, डिलीवरी में देखभाल की कमी और परिजनों के नेगेटिव कमेंट्स भी गहरा मेंटल ट्रॉमा देते हैं। ऐसे में वे इमोशनल विदड्रॉल का शिकार हो जाती हैं। भावनात्मक अलगाव की इस मनोस्थिति में स्त्रियां अपने इमोशंस को शेयर करना छोड़ देती हैं। इससे उन्हें अकेलापन और डिप्रेशन घेर लेते हैं। इसीलिए महिलाओं का अपनी इमोशनल सेहत की केयर करना भी जरूरी है। इसलिए प्रैक्टिकल और साइंटिफिक सोच अपनाएं और स्वस्थ रहें।

मन का सुकून छीनती मास्किंग

सोशल स्टेटस मेंटेन करने का दबाव लोगों को ऐसी इमेज के साथ जीने के लिए बाध्य करने लगता है, जो वे वास्तव में होते ही नहीं हैं। इस तरह फेक इमेज यानी मास्किंग के साथ जीने से मन-जीवन का सुकून खोने लगता है।

लाइफस्टाइल
चैतन्या

हाल के वर्षों में वर्चुअल वर्ल्ड में ही नहीं, असली दुनिया में भी अपनी एक अलग सी छवि पेश करने का दबाव देखने को मिल रहा है। बहुत सी महिलाएं इमेज मेकिंग के इस फेर में एक मुखौटा पहने रहती हैं। इस बनावटी छवि के कारण तनाव भी झेलती हैं। सोशल कैमॉफ्लाजिंग की यह आदत आगे चलकर खुद को ही धोखा देने की स्थितियां बना देती है। इसी को मास्किंग कहा जाता है।

मास्किंग के दुष्प्रभाव: असल में औरों के मुताबिक ढल जाने की इस कोशिश में यह समझना आवश्यक कि मास्किंग से स्ट्रेस, डिप्रेशन और दूसरों से अपनी तुलना करने की नेगेटिव सोच जड़ें जमा लेती है। जो हर तरह से आपके व्यक्तित्व को नुकसान पहुंचाती है। मन का सुकून छीनती है। हर उम्र की महिलाओं को समझना चाहिए कि दूसरों को छलने वाली मास्किंग असल में अपने आपके साथ भी फरेब करने वाला व्यवहार बन जाता है।

सहज इमोशंस की अनदेखी: मास्किंग, कहीं ना कहीं अपनी सहज भावनाओं को दबा देने वाला बर्ताव है। वही कहना जो कोई सुनना चाहे। वैसा ही व्यवहार करना, जो दूसरों के मन भाए। उसी तरह से रहना-जीना, जो दूसरों को अच्छा लगे। यह सब सोशल कैमॉफ्लाजिंग का ही हिस्सा है। इसी के चलते सामाजिक दबाव के कारण बनने वाली यह मास्किंग की आदत वास्तविक व्यक्तित्व ही भुला देती है। सेल्फ अवेयरनेस के बिना खुद का अस्तित्व अधूरा सा हो जाता है। दूसरों की स्वीकार्यता पाने की सोच अपने सहज व्यवहार से दूर कर देती है। सच्चे इमोशंस को जताने की हिम्मत छीन लेती है। समझना जरूरी है कि सहज भावनाओं को छिपाने के पीछे डर का एक अनदेखा सा घेरा होता है। बावजूद इसके कई महिलाएं मास्किंग के आवरण को चुनती हैं। खुद को परफेक्ट दिखाने के लिए पहना जा रहा यह मुखौटा सबसे अधिक भावनात्मक मोर्चे पर ही चोट करता है।

नकली इमेज का घेरा: दूसरों की खुशी देने के लिए नकली इमेज के फेर में पड़ना सचमुच एक गलत च्वाइस है। अपने हों या पराए, उनकी नजर में स्वीकार्यता पाने के लिए जानबूझकर डेवलप की गई मास्किंग क्षमता, असल में आपको अक्षम बना देती है। इसीलिए सोशलाइजेशन का जो दायरा आपके मन पर दिखावटी-बनावटी बने रहने का दबाव बनाता हो, उससे दूरी ही भली है। सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप पूरी तरह से बदल जाना अपने व्यक्तिगत भावों की अनदेखी ही तो है। जो सीधे-सीधे आपकी अवास्तविक छवि बनाने वाला बर्ताव है। यह नकली इमेज मन को थकाने वाली होती है। मस्तिष्क को असहज रखती है। कुछ खोने की एंग्जाइटी हर समय घेरे रहती है। कोई गलती पकड़े जाने की चिंता सताती रहती है। दिल और दिमाग बेवजह अलर्ट मोड में रहने लगते हैं। जिसके खामियाजे आपको हर पहलू पर झेलने पड़ते हैं। आवश्यक है कि इस फेक इमेज के घेरे में आने की सोच से भी दूर रहा जाए।

हेल्थ पर दुष्प्रभाव: जब आप असली विचार या भावनाएं साझा करना छोड़ देती हैं तो दिलो-दिमाग पर गहरा असर पड़ता है। इसीलिए सामाजिक आयोजन हों, पारिवारिक मेल-मिलाप या कामकाजी संसार की जिम्मेदारियां। हर जगह, हर मामले में अपने विचार और रिएक्शंस देने की आदत रखनी चाहिए। आखिर कोई कितनी देर औरों के मुताबिक रह सकता है? खुद को अपने ही असली व्यक्तित्व से अलग प्रस्तुत करना बहुत असुविधाजनक होता है। देखने में आता है कि बहुत सी महिलाएं लंबे समय तक मास्किंग करने से बर्नआउट का भी शिकार हो जाती हैं। जिससे बेवजह की थकान, स्ट्रेस, डिप्रेशन और घबराहट का सामना करती हैं। दूसरों की स्वीकार्यता और प्रशंसा के फेर में अपनी रोजमर्रा की एक्टिविटीज से दूर हो जाती है। आम जीवन में सब कुछ औरों के मुताबिक ना तो किया जा सकता है और ना ही यह करना सही है। यह स्थिति शारीरिक और मानसिक सेहत को बहुत नुकसान पहुंचाती है। इसीलिए मास्किंग छोड़िए और मन का सुकून चुनिए।

अपने बच्चों के सामने पैसे की कमी का रोना सही नहीं है। इससे वे मनी एंग्जायटी का शिकार हो सकते हैं। कहीं आप भी तो अंजाने में ऐसा नहीं करतीं, इससे कैसे बचें, जानिए।

अपने बच्चों को न बनाएं मनी एंग्जायटी का शिकार

बच्चे और आप
शिखर चंद जैन

बारह वर्षीय संजना ने अपने पड़ोस में रहने वाले नौ वर्षीय रितेश से पूछा, 'मैंने ऑनलाइन ऑर्डर देकर बहुत अच्छे कलर्स और आर्ट-क्राफ्ट का बॉक्स मंगवाया है केवल 250 में। तेरे लिए भी मंगवा दूं?' इस पर रितेश ने उदास होकर कहा, 'नहीं दीदी, अभी हम लोगों की फाइनेंसियल कंडीशन ठीक नहीं है।' संजना घर जाकर अपनी मम्मी से यह बात बताई। उसकी मम्मी अनुष्का और रितेश की मम्मी देविका अच्छी फ्रेंड हैं। अनुष्का उसी समय देविका के घर गई। उसने पूछा, 'देविका तुम्हारे हस्बैंड जॉब तो कर रहे हैं ना? किसी तरह की कोई परेशानी तो नहीं? किसी प्रकार की फाइनेंसियल हेल्प चाहिए तो बोल देना।' यह सुनकर देविका को हैरानी हुई। उसने कहा, 'अरे नहीं, ऐसी कोई दिक्कत की बात नहीं है, पर तुम ऐसा क्यों पूछ रही हो?' इस पर अनुष्का ने संजना और रितेश के बीच हुई बातचीत के बारे में उसे बताया। देविका समझ गई कि रितेश ने ऐसा क्यों कहा होगा।

वह मन ही मन शर्मिंदा हुई। लेकिन बात संभालते बोली, 'अरे बच्चा है, उसमें इतनी समझ कहां?'

असल में देविका और उसके पति ने अनजाने में रितेश को मनी एंग्जायटी का शिकार बना दिया था। कहीं आप भी तो नहीं करती ऐसी गलतियां, जो देविका और उसके पति ने की?

बच्चे के सामने ना करें पैसे को लेकर झगड़ा: कुछ पति-पत्नी बच्चों के सामने ही एक-दूसरे को फिजूलखर्च, कमाई में ठीक से ध्यान ना देना और बचत पर ध्यान ना देने जैसे आरोप लगाते हुए झगड़ते हैं। मम्मी-पापा के बीच पैसों को लेकर ऐसी खींचतान और बहस से बच्चा घबरा जाता है। उसे लगता है कि मम्मी-पापा के पास पैसे नहीं है, इसीलिए उनका झगड़ा होता है। अगर आपको ऐसे इश्यूज पर डिस्कशन करना ही है तो बच्चे के सामने कभी न करें।

पैसे की कमी की चिंता: माना कि तरह-तरह की फाइनेंसियल इमरजेंसी पर विचार-विमर्श करना, उनके बारे में चिंता रखना और अपनी वित्तीय स्थिति का आकलन करना जरूरी है। लेकिन इसका भी एक तरीका होता है। जब आप बच्चों के सामने ऐसा कुछ कहते हैं कि 'भगवान ना करें कल को बीमारी आ जाए या नौकरी चली जाए तो हम तो दाने-दाने को मोहताज हो जाएंगे।' तो बच्चे का सहम जाना स्वाभाविक ही है। ये बातें पॉजिटिव तरीके से या बच्चे की अनुपस्थिति में भी डिस्कस की जा सकती हैं।

आचरण-बातचीत में अंतर: कई बार माता-पिता अपने बच्चों की किसी भी डिमांड पर हाथ की तंगी, रोजगार में गड़बड़ी आदि की बातें कह देते हैं। बच्चा मन मसोसकर रह जाता है। लेकिन जब बच्चा देखता है कि उसके खिलौने या गैजेट की बात को नकारने के अगले ही दिन घर में कोई महंगा उपकरण आया है। पापा या मम्मी के लिए स्मार्ट फोन आया है, गहनों की खरीद हुई है। तो बच्चा यह देखकर अपनी उपेक्षा समझ कर उदास हो जाता है। पैरेंट्स को अपने आचरण और बातचीत में ऐसा अंतर हरगिज नहीं करना चाहिए।

मेकअप
सरिता गुप्ता

सेटिंग स्प्रे से आपका मेकअप रहेगा लॉन्ग लास्टिंग

मेकअप करने के बाद उसे लंबे समय तक टिकाने के लिए मेकअप स्प्रे का उपयोग किया जाता है। इसे आमतौर पर सेटिंग स्प्रे कहा जाता है। यह मेकअप को अच्छी तरह सेट कर देता है, जिससे मेकअप जल्दी खराब नहीं होता और चेहरा लंबे समय तक अट्रैक्टिव दिखाई देता है। आजकल अधिकतर महिलाएं मेकअप के बाद इस स्प्रे का इस्तेमाल करती हैं। इस बारे में कुछ यूजफुल सजेशंस।

कैसे करें अप्लाई: मेकअप स्प्रे का इस्तेमाल करना बहुत आसान है। सबसे पहले अपना पूरा मेकअप कर लें जैसे फाउंडेशन, कॉम्पैक्ट पावडर, ब्लश, आई मेकअप और लिपस्टिक। जब मेकअप पूरी तरह हो जाए, तब अंत में मेकअप स्प्रे का इस्तेमाल करें। स्प्रे लगाने से पहले बोतल को हल्का-सा हिला लें ताकि उसमें मौजूद सभी तत्व अच्छी तरह मिल जाएं। इसके बाद स्प्रे को चेहरे से लगभग 8 से 10 इंच की दूरी पर रखें और हल्के-हल्के पूरे चेहरे पर स्प्रे करें। स्प्रे करते समय आंखें बंद रखें। स्प्रे लगाने के बाद चेहरे को हाथ से न छुएं और उसे अपने आप सूखने दें। इससे मेकअप अच्छे से सेट हो जाता है और चेहरा ज्यादा स्मूद और नेचुरल दिखाई देता है।

किसे करना चाहिए स्प्रे का यूज: मेकअप स्प्रे का उपयोग सभी महिलाएं कर सकती हैं, लेकिन कुछ महिलाओं के लिए यह ज्यादा फायदेमंद होता है। जिन महिलाओं को लंबे समय तक मेकअप रखना पड़ता है, जैसे ऑफिस, पार्टी या शादी-समारोह में जाना होता है, उनके लिए मेकअप स्प्रे बहुत उपयोगी होता है। इसके अलावा जिनकी स्किन ऑयली होती है और जिनका मेकअप जल्दी फैल जाता है, वे भी मेकअप स्प्रे का इस्तेमाल कर सकती हैं। गर्मियों के मौसम में भी मेकअप जल्दी खराब हो जाता है, इसलिए इस मौसम में मेकअप स्प्रे काफी मदद करता है। ब्राइडल मेकअप या हैवी मेकअप करने वाली महिलाओं के लिए भी यह बहुत अच्छा विकल्प है।

मेकअप स्प्रे के फायदे: यह मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखता है।

- इससे मेकअप जल्दी खराब नहीं होता और बार-बार टच-अप करने की जरूरत भी कम पड़ती है।
- सेटिंग स्प्रे आपके चेहरे को फ्रेश और ग्लोइंग लुक देता है।
- कई बार पावडर या फाउंडेशन लगाने के बाद चेहरा थोड़ा पावडरी दिखाई देता है, लेकिन मेकअप स्प्रे लगाने से यह समस्या कम हो जाती है और मेकअप ज्यादा नेचुरल लगता है।
- यह पसीने और नमी के कारण मेकअप को फैलने से भी बचाता है। कुछ मेकअप स्प्रे, स्किन को हल्की नमी भी देते हैं, जिससे चेहरा सूखा नहीं लगता।

कुल मिलाकर कह सकते हैं कि मेकअप स्प्रे मेकअप को लंबे समय तक टिकाने और चेहरे को फ्रेश बनाए रखने में बहुत मदद करता है। अगर आप चाहती हैं कि आपका मेकअप पूरे दिन सुंदर और साफ दिखाई दे, तो मेकअप के बाद मेकअप स्प्रे का उपयोग जरूर करें।

(मेकअप आर्टिस्ट मीनाक्षी खन्ना से बातचीत पर आधारित)

वर्कआउट करना फिटनेस के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन कुछ महिलाएं फिट रहने के लिए हार्ड वर्कआउट रूटीन फॉलो करती हैं। इससे फर्टिलिटी पर बुरा असर पड़ सकता है। इस बारे में कॉन्शस रहना जरूरी है।

क्या ओवर वर्कआउट से फर्टिलिटी होती है प्रभावित

प्रिकॉशन
डॉ. ज्योति गुप्ता
सीनियर आईवीएफ कंसल्टेंट
मदरहुड फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, गुरुग्राम

आजकल फिटनेस के बारे में लोगों में काफी जागरूकता बढ़ गई है। खासकर यंग पुरुषों और महिलाओं के बीच फिटनेस का चलन तेजी से बढ़ रहा है। फिट रहने और वेट कंट्रोल के लिए नियमित व्यायाम करना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। लेकिन कुछ महिलाएं वजन जल्दी कम करने के लिए या स्लिम दिखने के लिए जरूरत से ज्यादा व्यायाम करती हैं।

ज्यादा एक्सरसाइज है हार्मफुल: महिलाओं को यह समझना जरूरी है कि अगर व्यायाम बहुत ज्यादा किया जाए या बहुत कम खाना खाया जाए, तो शरीर में हार्मोन का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे आगे चलकर प्रजनन क्षमता यानी गर्भधारण करने की क्षमता पर असर पड़ सकता है। इसलिए महिलाओं को अपने शरीर के अनुसार डाइट और व्यायाम करना चाहिए और इसके लिए विशेषज्ञ की सलाह लेना काफी जरूरी है।

फर्टिलिटी पर पड़ता है असर: कुछ महिलाएं जल्दी वजन कम करने के लिए क्रैश डाइट, फैड डाइट, लिक्विड डाइट, इंटरमिटेंट फास्टिंग या कीटो डाइट जैसी डाइट अपनाती हैं। जब बहुत कम कैलोरी वाली डाइट के साथ बहुत ज्यादा व्यायाम किया जाता है, तो शरीर में ऊर्जा की कमी हो सकती है। इससे प्रजनन से जुड़े हार्मोन और ओव्यूलेशन यानी अंडाणु बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। जब शरीर पर बहुत ज्यादा शारीरिक दबाव पड़ता है, तो इसका असर हार्मोन, मासिक धर्म, ओव्यूलेशन और गर्भधारण की क्षमता पर पड़ सकता है।

डॉक्टर से करें कंसल्ट: जो महिलाएं बहुत ज्यादा या कठोर वर्कआउट करती हैं, उन्हें गर्भधारण करने में परेशानी हो सकती है। हालांकि हर महिला को ऐसी समस्या नहीं होती। फिर भी किसी तरह की सख्त डाइट या फिटनेस रुटीन अपनाने से पहले विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है, ताकि यह समझा जा सके कि आपके शरीर के लिए क्या सही है।

फर्टिलिटी को ऐसे रखें हेल्दी: महिलाओं को फिट रहने के लिए मध्यम स्तर का व्यायाम करना चाहिए, जैसे वॉक करना, योग करना या हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करना। पर्याप्त कैलोरी, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स लेना भी बहुत जरूरी है। अगर किसी महिला के पीरियड्स अनियमित हो जाएं तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। जो महिलाएं गर्भधारण की योजना बना रही हैं, उन्हें डॉक्टर से सलाह लेकर ही अपना फिटनेस रुटीन और वजन नियंत्रित करना चाहिए। डॉक्टर उन्हें यह बता सकते हैं कि उनके लिए कितना व्यायाम सुरक्षित है। इससे उनकी प्रजनन क्षमता भी सुरक्षित बनी रह सकती है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

खबर संक्षेप

पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. चौ देवीलाल को किया याद

लोहारू। लोहारू के लघु सचिवालय परिसर में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले 265 दिनों से चल रहे किसानों के अनिश्चितकालीन महापड़ाव के तहत सोमवार को धरनारत किसानों ने पुण्यतिथि के मौके पर पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व चौ ताऊ देवीलाल को याद किया और पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी ।

गांव काकडोली हट्टी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बाढड़ा। गांव काकडोली हट्टी के आंगनबाड़ी केंद्र में कक्षा तत्परता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच इंदराज ने किया । कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश से पहले मानसिक व शैक्षणिक रूप से तैयार करना रहा। इस दौरान बच्चों को खेल-खेल में सीखने, अनुशासन अपनाने तथा नियमित रूप से स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया गया। आंगनबाड़ी वर्कर सुशीला ने कहा कि आंगनबाड़ी स्तर पर ऐसे कार्यक्रम बच्चों की बुनियाद मजबूत करते हैं और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए आत्मविश्वास प्रदान करते हैं। वहीं सरपंच इंदराज ने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

शहर को गंदगी से मुक्त बनाएं : धर्मबीर सिंह

भिवानी। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में शहरी स्थानीय निकाय विभाग, बिजली और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अलावा शहर के पार्षदों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सांसद ने नप अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भिवानी शहर को गंदगी से मुक्त बनाने और अतिक्रमण हटाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए ताकि शहर सुंदर दिखाई दे और आमजन को आने-जाने में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।
सांसद ने निर्देश देते हुए कहा कि शहर को सुंदर व स्वच्छ बनाने के लिए लोगों में जागरूकता के लिए अभियान भी चलाया जाए।

एमएसपी पर तुरंत खरीद चालू करवाने की मांग

तोशाम। नई अनाजमंडी में ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन का प्रतिनिधिमंडल मार्केट कमेटी सचिव से मिला। उन्होंने सचिव से मिलकर सरसों की मंडी में एमएसपी पर तुरंत खरीद चालू करवाने की मांग की और कृषिमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा,जिसमें एमएसपी पर सरकार तुरंत मंडी में खरीद शुरू करें और गेट पास के नाम पर लगाई नाजायज शर्तें तुरंत रद्द करने की मांग उठाई।

सभी बूथों पर धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

तोशाम। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस बापोड़ा मंडल के सभी बूथों पर धूमधाम से मनाया। इस दौरान कार्यक्रमों की अध्यक्षता बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक ने की। मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी भारत देश ही नहीं, बल्कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है।
उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में छोटे से छोटे कार्यकर्ता को भी पूर्ण रूप से बराबर मान-सम्मान दिया जाता है।

ग्रीवेंस मीटिंग में ग्रामीणों ने उठाई थी समस्या

उमरावत में नल तो है पर तीन चार महीने से नहीं आया पानी

एक टैंकर पानी की कीमत 500 से 700 रुपये तक है, हर परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। उमरावत का सूखा जलघर का दृश्य।

सरकार की हर घर जल, हर घर नल योजना गांव उमरावत में पूरी तरह विफल नजर आ रही है। गांव में न तो जल की उपलब्धता है और न ही नलों में पानी की कोई नियमित व्यवस्था। शहर से मात्र 4 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस गांव में इन दिनों भीषण जल संकट बना हुआ है। हालात इतने दयनीय हैं कि तीन से चार महीने बीतने के बाद भी पानी के दर्शन नहीं होते हैं। संबंधित अधिकारियों, गांव के मुखिया यहां तक कि विधायक को भी इस स्थिति की पूरी जानकारी है, लेकिन इसके बावजूद भी उक्त मामले में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जा रहा है।

पिछले ढाई से तीन महीनों से जलघर पूरी तरह सूखा पड़ा है, जिसके चलते गांव में नियमित जल आपूर्ति ठप हो चुकी है। मजबूरी में ग्रामीणों को अपने घरों और पशुओं के लिए पानी टैंकरों के जरिए मंगवाना पड़ रहा है। गांव की लगभग 3 से 4 हजार की आबादी पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हो गई है। एक टैंकर पानी की कीमत 500 से 700 रुपये तक है, जिससे हर परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। रोजमर्रा के खर्चों के बीच यह अतिरिक्त खर्च गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बड़ी परेशानी बन चुका है।

कड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर होंगे

ग्रामीण संदीप कुमार, पुरुषोत्तम, नवीन कुमार, धर्मबीर, सुधीर, प्रेम प्रकाश सहित अन्य लोगों का कहना है कि वे कई बार लिखित और मौखिक रूप से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे कड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जलघर में पानी की आपूर्ति तुरंत बहाल की जाए, ताकि गांववासियों को इस गंभीर संकट से राहत मिल सके।

नहीं हुआ समाधान

इस बारे गांव उमरावत के सरपंच सुधीर शर्मा ने कहा कि उक्त मामले की शिकायत लिखित व मौखिक रूप से विभाग के अधिकारियों से कर चुके हैं यहां तक कि ग्रीवेंस मीटिंग में विधायक व सांसदों के मध्य में भी पीने के पानी की समस्या को रख चुके हैं उनकों भी प्रस्ताव सौंप चुके हैं लेकिन समस्या का हल आज तक नहीं हुआ है।

पार्टी की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाएं

जिला भाजपा कार्यालय में स्थापना दिवस नाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। एकत्रित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर सोमवार को स्थानीय जिला भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के किया तथा अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की। इस मौके पर विधायक घनश्याम सर्राफ व विधायक कपूर वाल्मीकि भी मौजूद रहे। सांसद धर्मबीर सिंह व जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभमनाएं दी तथा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं।

सांसद ने कार्यकर्ताओं को दी बधाई

पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर पार्टी का ध्वजारोहण तथा पार्टी की उपलब्धियों को याद किया। इस मौके पर सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने पार्टी के 47वें स्थापना दिवस की सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और भाजपा की विचारधारा के बारे में बताया कि भाजपा की शुरूआत इसलिए हुई की थी । भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस देश भर में प्रत्येक जिला मुख्यालय पर बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में भिवानी जिला में प्रत्येक बूथ पर स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया गया।

भाजपा के स्थापना दिवस पर विधायक ने कार्यकर्ताओं संग सांझा की खुशियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर सोमवार को बाग कोठी क्षेत्र में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया। विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने अपने आवास पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जो करोड़ों कार्यकर्ताओं के त्याग और तपस्या के बल पर यहां तक पहुंची है। विधायक सर्राफ ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी का ध्वजारोहण किया और सभी को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को जिस विचार के साथ भाजपा की नींव रखी गई थी।

सरकार निर्माण मजदूरों को फर्जी बता रही:सुमेर धारणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा, हरियाणा राज्य कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक पृथ्वी प्रभात भवन, हिसार में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर के निर्माण मजदूरों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक के पश्चात जानकारी देते हुए भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू के दादरी जिला संयोजक सुमेर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा पिछले लगभग 10 महीनों से श्रम कल्याण बोर्ड का पोर्टल बंद रखा गया है, जिससे लाखों निर्माण मजदूर अपने अधिकारों और योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। यह मजदूरों के साथ सीधा अन्याय और धोखा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त मोर्चा लगातार मजदूरों की समस्याओं को सरकार के समक्ष उठाता रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं किया गया। हाल ही में श्रम मंत्री द्वारा दिए गए बयान, जिसमें 90 प्रतिशत मजदूरों को फर्जी बताया गया है, को मोर्चा ने पूरी तरह से गलत और भ्रामक करार दिया है। नेताओं का कहना है कि यह वैरिफिकेशन प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण और पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई है। बोर्ड के बदलते नियमों के कारण मजदूरों को बार-बार वर्कशिप (पंजीकरण) करानी पड़ी, जिसे आधार बनाकर उन्हें फर्जी बताना अन्यायपूर्ण है। संयुक्त मोर्चा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सरकार इस तरह मजदूरों को बोर्ड से बाहर नहीं कर सकती। यदि सरकार ने अपने फैसले वापस नहीं लिए।

कमेरे वर्ग के मसीहा चौधरी देवीलाल को श्रद्धांजलि अर्पित की

बाढड़ा। देश में किसान-गरीब और कमेरे वर्ग के मसीहा जगत ताऊ चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि के अवसर पर कालियाणा स्थित उनकी प्रतिमा पर जननायक जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जजपा हल्का अध्यक्ष विजय श्योराण काकड़ोली ने कहा कि चौधरी देवीलाल ने देश और प्रदेश में अनेकों जनकल्याणकारी नीतियों को धरातल पर उतारकर आम जनमानस तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया था और उनका पूरा जीवन संघर्ष, न्याय व निस्वार्थ जनसेवा का जीवंत प्रतीक है जो सदा देशवासियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन योजना का शुभारंभ चौधरी देवीलाल ने ही किया था।

स्व. देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

स्व. देवीलाल ने जीवनपर्यंत किसानों व कमेरे वर्ग के लिए किया संघर्ष : डा. वासुदेव

■ चौ. देवीलाल ने राजनीतिक लाभ के लिए नहीं हर वर्ग के उत्थान के लिए की राजनीति : अशोक ढ़ाणीमाहु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। पुण्यतिथि पर हवन में आहुति डालते हुए।

किसानों के मसीहा पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. चौ. देवीलाल एक युग पुरूष थे। स्व. चौ. देवीलाल ने जीवनभर किसानों व कमेरे वर्ग के लिए आवाज उठाई तथा संघर्ष किया। वे एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संस्था थे जिन्होंने हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया तथा देश में पहली बार हरियाणा में बुढ़ापा पेंशन लागू की। यह बात इनेलो पार्लियामेंट्री बोर्ड के चेयरमैन एवं पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा और जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु ने सोमवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. देवीलाल की 25वीं पुण्यतिथि पर स्थानीय लोहारू रोड़ स्थित चौ. देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान हवन का आयोजन भी किया गया। इसके उपरांत दिव्यांग व स्कूली बच्चों को फल व प्रसाद भी वितरित किया गया। इनेलो पार्लियामेंट्री बोर्ड के चेयरमैन एवं पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा और जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु ने कहा कि चौ. देवीलाल ने राजनीतिक लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि देश के पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए राजनीति की। उन्होंने कहा कि आज देशभर में हर वर्ग के लोग चौ. देवीलाल को राजनेता नहीं, बल्कि देश के उत्थान के लिए मसीहा के नाम से जानते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ओमप्रकाश गौरा, सुनील लांबा, जितेंद्र मिनी, अनिल, भूप बैराण, कृष्ण मिताथल, सीनियर एडवोकेट मनोहर लाल सरदाना, दिलबाग चेयरमैन, अजीत बड़ेसरा, संदीप घणघस, सोनू ग्रेवाल, सत्यवान शास्त्री, मा. रामकिशन शर्मा, रण सिंह, सरोज, शारदा मिश्रा, आशा, सुभाष धानक, सुनील स्वामी, जगराम साहब, राय सिंह बैरागी, विजेंद्र दुहन, विक्रम एससी, अशोक तंवर मैनेजर, पूर्ण जांगड़ा, सतपाल फौजी, राजेश पुनिया, भूप लांबा, हरकेश नागर, कृष्ण स्वामी, सूरजभान सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीडब्ल्यूसी ने किया तीन मासूमों को रेस्क्यू, परिजनों को लौटाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत जिला बाल कल्याण समिति के हाथ बड़ी सफलता लगी। सीडब्ल्यूसी ने अभियान चलाकर तीन बच्चों को रेस्क्यू किया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

सीडब्लयूसी सदस्य अधिवक्ता धीरज सैनी ने बताया कि जिला पुलिस की विशेष टीम में जिला बाल कल्याण समिति भिवानी व जिला पुलिस से निरीक्षक अमरदीप सिंह, उपनिरीक्षक कपिल देव, महिला उपनिरीक्षक नीलम देवी, महिला उपनिरीक्षक अमिता देवी और एसपीओ राकेश कुमार शामिल रहे। सैनी ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम को रोकना है तथा अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थलों और ढाबों पर विशेष नजर रखी जाती है, ताकि कोई भी बच्चा शोषण का शिकार न हो और अपने घर पहुंच सके। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बाल कल्याण समिति के चेयरमैन अधिवक्ता प्रदीप सिंह तंवर ने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से तीन बच्चों को रेस्क्यू किया, वे संयुक्त प्रयासों की जीत है। उन्होंने कहा कि यदि कोई संदिग्ध अवस्था में बच्चा दिखे, तो तुरंत सूचना दें।

शिकायतों को गंभीरता से लें: डीडीपीओ

■ निजी बसों में बुजुर्गों से आधा किराया न लेने और दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। समाधान शिविर में शिकायतें सुनते डीडीपीओ कादयान।

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में डीडीपीओ सोमबीर कादयान की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन हुआ।

समाधान शिविर में डीडीपीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी किसी भी शिकायत में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि जनता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। समाधान शिविर में सुनील कुमार ने अनाज मंडी के पीछे बनी सड़क में घटिया सामग्री के इस्तेमाल, दिनोद रोड़ पर अनाधिकृत स्पीड ब्रेकर बनाए जाने तथा पानी निकासी के उचित प्रबंध न होने की शिकायत डीडीपीओ के समक्ष रखी। एक शिकायतकर्ता ने गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रूकवाने, राकेश ने फर्जी जमाबंदी से नाम हटवान, जयकिशन ने गांव तिगड़ाना में अपने घर से अवैध कब्जा हटवाने बारे, दयानंद ने निजी बसों में बुजुर्गों से आधा किराया न लेने और दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत रखी।

प्रशिक्षण शिविरों में गहनता से दी जाए जनगणना की जानकारी: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ आठ अप्रैल तक चलेगा जनगणना-2027 के लिए प्रगणक और सुपरवाईजर्स का प्रशिक्षण

डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में डिजिटल जनगणना को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई।

डीसी ने कहा कि जनगणना 2027 को लेकर 6 से 8 अप्रैल तक सुबह 9 से शाम 5 बजे तक स्थानीय राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल, पंडित नेकीराम शर्मा लाइब्रेरी सभागार और वैश्य कॉलेज के सभागार में जनगणना में नियुक्त सुपरवाइजर और प्रगणकों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में जनगणना की जानकारी गहनता से दी जाए ताकि जनगणना कार्य निर्बाध रूप से किया जा सके।

पूर्व विद्यार्थियों को सम्मान पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया

■ विद्यालय में आयोजित समारोह में 125 पूर्व विद्यार्थी व 15 शिक्षकों की रही उपस्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। पुनर्मिलन समारोह में टीआईटी विद्यालय के वर्ष 1992 बैच के पूर्व विद्यार्थी।

टीआईटी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वर्ष 1992 बैच के पूर्व विद्यार्थियों का ऐतिहासिक एवं गरिमामय पुनर्मिलन समारोह हर्षोल्लास और भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर लगभग 125 पूर्व विद्यार्थी तथा 15 से अधिक पूर्व एवं वर्तमान शिक्षक उपस्थित रहे। वर्षों बाद अपने विद्यालय परिसर में एकत्रित हुए पूर्व विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह, आत्मीयता और गौरव स्पष्ट झलक रहा था।

विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्सव जैसा उल्लासपूर्ण वातावरण बना रहा। समारोह के दौरान प्राचार्य ने सभी पूर्व विद्यार्थियों को सम्मान पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय ने उन्हें केवल शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान की। पूर्व विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को सम्मानित किया।

गंदा पानी नाले में जाने की बजाए पौधों में पहुंचने से समस्या बनी

डिस्पोजल पर फलदार पौधे सूखने की कगार पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। समाधान शिविर में शिकायत करते पहुंचा एक समाज सेवी। डिस्पोजल का जमा दूषित पानी का दृश्य।

ढाना रोड स्थित डिस्पोजल क्षेत्र में लगे हरे-भरे फलदार पौधे आज गंभीर संकट से गुजर रहे हैं। डिस्पोजल से निकलने वाला गंदा पानी सीधे इन पौधों की जड़ों तक पहुंच रहा है, जिसके कारण लगभग सभी फलदार पौधे सूखने की कगार पर पहुंच चुके हैं। यह स्थिति न केवल पर्यावरण के लिए चिंता का विषय है, बल्कि संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करती है। जानकारी के अनुसार, डिस्पोजल पर लगी मोटरों के वाल्व लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिसके चलते गंदा पानी सही दिशा में बहने की बजाय आसपास लगे पौधों में फैल रहा है। इस समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को पहले से है, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसकी शिकायत समाधान शिविर में करते हुए सैनी विचार मंच इंडिया के मीडिया कोऑर्डिनेटर वं राष्ट्रीय संयोजक सुरेश सैनी ने बताया कि ये फलदार पौधे कई वर्षों पुराने हैं।

निरीक्षण करें

सुरेश सैनी ने प्रशासन से कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की लापरवाही बिल्कुल अस्वीकार्य है। उन्होंने मांग की कि उपायुक्त स्वयं मौके का निरीक्षण करें और संबंधित विभाग को तुरंत प्रभाव से मोटरों के खराब वाल्व ठीक कराने के निर्देश दें, ताकि गंदे पानी का बहाव सही दिशा में हो सके और इन पौधों को बचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो इस मुद्दे को और बड़े स्तर पर उठाया जाएगा।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में सांसद धर्मबीर व हिसार सांसद जयप्रकाश ने की समीक्षा

मानसून आने से पहले आबादी क्षेत्र और खेतों से पानी निकासी के प्रबंध किए जाएं और कहीं भी जलभराव न हो : धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह व हिसार के सांसद जयप्रकाश ने विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में बवानीखेड़ा से विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि और डीसी साहिल गुप्ता भी मौजूद रहे। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित 45 एजेंडे रखे। बैठक में विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लाभार्थियों तक समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। वहीं सांसद धर्मबीर सिंह व सांसद जयप्रकाश ने मानसून के आने से पहले आबादी क्षेत्र व खेतों से पानी निकासी का प्रबंध करने के निर्देश दिए।

■ बैठक में विभिन्न योजनाओं से संबंधित 45 एजेंडे रखे, भिवानी-घग्घर ड्रेन और समैण-धनाना ड्रेन की क्षमता बढ़ाई जाए

भिवानी। बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश देते सांसद धर्मबीर सिंह, साथ में सांसद जयप्रकाश। *फोटो : हरिभूमि*

निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय पर पूरा करवाएं

सांसद धर्मबीर सिंह ने सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि भिवानी-घग्घर ड्रेन और समैण-धनाना ड्रेन की हर संभव क्षमता बढ़ाई जाए और दोनों तरफ मिट्टी डालकर बर्म को मजबूत बनाया जाए, ताकि पानी के दबाव से टूटने की स्थिति ना बने। उन्होंने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव संभावित गांवों में तालाब ओवरफ्लो ना हों, यदि कहीं ऐसा होता है तो वहां से पानी निकासी के समुचित प्रबंध अभी से सुनिश्चित किए जाएं। बैठक के दौरान कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना, मत्स्य विभागों की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा के साथ-साथ बिजली, पेयजल, सडक, रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से जुड़े कार्यों की स्थिति पर भी अधिकारियों से जानकारी ली गई। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए ताकि परियोजनाएं शुरु होनी हैं, उनकी जल्द से जल्द सभी औपचारिकताएं पूरी की जाएं और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसी भी स्तर पर देरी ना करें। इस दौरान बवानीखेड़ा से विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि बवानीखेड़ा सामान्य अस्पताल का भवन जर्जर हो चुका है, ऐसे में अस्पताल का कुछ हिस्सा फायर ऑफिस में शिफ्ट किया जा सकता है। उन्होंने बाबा जरनानाथ मंदिर का पुनर्निर्माण करवाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि गांव जाटू लोहारी से बलियाली मार्ग पर रेलवे लाईन के नीचे जमा होने वाले पानी के समाधान का टेंडर हो चुका है, जिस पर शीघ्र काम शुरु हो जाएगा।

खरक व बामला बाईपास फोरलेन का एस्टीमेट भिजवाएं

भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ने बैठक के दौरान खरक व बामला बाईपास और लोहारू तक रोड को फोरलेन बनाने का एस्टीमेट अतिशीघ्र भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने तिगड़ाना मोड़ से जुई नहर और ऑटो मार्केट देवीलाल चौक से दादरी रोड पर गांव हालुवास से आगे बाईपास चौक पर फ्लाई ओवर बनाने के कार्य की औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करने का आह्वान किया। सांसद धर्मबीर ने कहा कि इस कार्य में देरी न की जाएं और अधिकारी उक्त कार्यों में किसी प्रकार की कोताही न बरतें। जनता की भलाई के लिए सरकार कर्तव्यबद्ध हैं और अधिकारी सरकारी योजनाओं के क्रियांव्यवन में निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करें।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने एजेंडा प्रस्तुत किया। इस दौरान एसडीएम भिवानी के महेश कुमार, तोशाम के एसडीएम संदीप कुमार, लोहारू से एसडीएम मनोज दलाल और सिवानी से एसडीएम विजया मलिक, डीएमसी हरबीर सिंह आदि विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

गैस सिलेंडर आपूर्ति सुचारू रूप से जारी

चरखी दादरी। जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल के निर्देश पर प्रशासन द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वर्तमान में जिला में मांग से कहीं ज्यादा सिलेंडर उपलब्ध हैं। उपायुक्त ने सोमवार को संबंधित अधिकारियों और पेट्रोलियम कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि सभी एजेंसी उनके यहां उपलब्ध स्टॉक की पूर्ण जानकारी परिसर के बाहर चस्पा कर रखें।

समाधान शिविर जन सेवा का सशक्त माध्यम

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि समाधान शिविरों पर जनता का विश्वास बढ़ा है। शिविरों में शिकायतों को समाधान एक ही छत के नीचे हो रहा है। इसी कारण शिविरों में लोग शिकायत लेकर आ रहे हैं। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं से जुड़ी बाधाओं को दूर करना और जनता की शिकायतों का मौके पर ही निपटान करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल सत्र पर सोमवार और वीरवार को प्रात 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

9 मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

चरखी दादरी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष डॉ. गगनदीप कौर सिंह के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर में 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का निपटारा दोनों पक्षों की आपसी सहमति से किया जाएगा।

सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

भिवानी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर. चालिया के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम)-कम-सचिव पवन कुमार ने जिले के नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, उपचार प्रक्रियाओं, परामर्श सेवाओं तथा पुनर्वास से जुड़ी सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीजेएमने नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती मरीजों से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया।

किसान गेहूं व सरसों को सुखाकर लाएं: उपायुक्त

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि जिला की मंडियों में रबी सीजन के तहत सरसों व गेहूं की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। किसानों की उपज निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी जा रही है और उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। अब तक जिला में 37 हजार 810 क्विंटल सरसों की आवक दर्ज की गई है। उन्होंने खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि किसानों को उपज का समय पर भुगतान किया जाए। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे गेहूं और सरसों की फसल सुखाकर मंडी लाएं।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

गांव धनाना की होनहार बेटी प्रिया से अब गोल्ड की उम्मीद

सेमीफाइनल मुकाबले में मंगोलिया की नुमुन मनखौर का किया पराजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजी को एक और बड़ी सफलता मिली है। साई खेल प्रशिक्षण केंद्र भिवानी की प्रतिभाशाली मुक्केबाज प्रिया घनघस ने 60 किग्रा (लाइटवेट) वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फाइनल में प्रवेश किया और देश के लिए रजत पदक सुनिश्चित कर लिया है।

प्रतिद्वंद्वी को 5-0 से दी पटकनी

सोमवार को खेले सेमीफाइनल मुकाबले में प्रिया का सामना मंगोलिया की नुमुन मनखौर से हुआ। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद प्रिया ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने अपनी सटीक जैब्स एवं प्रभावी काउंटर-अटैक के दम पर प्रतिद्वंद्वी को 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से पराजित किया। प्रिया की उपलब्धि पर उपनिदेशक दीपक पंत, द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर सिंह, प्रशिक्षक मुक्केबाजी नवीन शर्मा ने उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रिया सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण का परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वह फाइनल मुकाबले में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश के लिए स्वर्ण पदक अर्जित करेंगी। यह उपलब्धि न केवल भिवानी केंद्र के लिए बल्कि पूरे हरियाणा एवं देश के लिए गर्व का विषय है। प्रिया की सफलता से प्रशिक्षण केंद्र के अन्य खिलाड़ियों में भी उत्साह का माहौल है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा मिल रही है।

सचिन ने स्वर्ण पदक और नवीन ने रजत पदक जीता

■ अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए सचिन व नवीन सीनियर इंडिया कैंप पटियाला में करेंगे अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

महाराष्ट्र के पुणे में 31 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित सीनियर सीओएएस कप में अजीत बॉक्सिंग क्लब के दो मुक्केबाजों ने एक स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर राज्य व क्लब का नाम रोशन किया है। सचिन बेनीवाल ने सेना की तरफ से खेलते हुए 75 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण व नवीन झांझडिया ने साईं की ओर से खेलते हुए 90 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता।

क्लब के कोच नवीन बलहारा फ्रूटी ने बताया कि सचिन व नवीन आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए सीनियर इंडिया कैंप पटियाला में अभ्यास करेंगे। इस मौके पर क्लब प्रधान सुरेन्द्र बंटु मनजीत अहलावत, अर्जुन बेनिवाल शेर सिंह ग्रेवाल,सरपंच आशीष बैनिवाल, पूर्व पार्षद संदीप,पूर्व सरपंच राकेश बैनीवाल,भारद्वाज, विकास पंघाल, डा. मनफूल ग्रेवाल, अजय सुहाग, राजेश बैनिवाल, मोनू वर्मा, ओमबीर बैनिवाल, मनजीत सांगवान फौजी, विकास बेनीवाल,नीटू शेखावत, नवीन के भाई सतेन्दर कमांडो, सतेन्द्र सांगवान, संजय लीली,ज्योति ग्रेवाल, बिजेन्द्र सिवाच आदि खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों ने पदक विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

पदक विजेता मुक्केबाज।

■ ग्रामीण सरकारी विद्यालय में प्रतिभा की कमी नहीं: बीईओ

तिगड़ी के विद्यालय में होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

राजकीय माध्यमिक विद्यालय तिगड़ी के होनहार विद्यार्थी दीपांशु ने एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उपलब्धि के बाद दीपांशु को कक्षा 9 से 12 तक सरकार द्वारा प्रतिमाह एक हजार रूपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस गौरवपूर्ण अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल गौड़ ने दीपांशु को सम्मानित किया। साथ ही कक्षा 6 से 8 तक के 15 होनहार विद्यार्थियों को तिगड़ाना ध्यान केंद्र एवं बदलाव की पाठशाला के माध्यम से शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि इंस्पेक्टर राजेंद्र दहिया, नवीन तंवर, यशपाल तंवर, रविदास सेवा समिति के उपप्रधान धर्मवीर दहिया, मंजू शर्मा सुशीला देवी, पीटीआई विनोद बाला तथा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से भूपेंद्र सिंह, सुशील जेई, मनोज तंवर, प्रदीप, रामनिवास, मोहित, युद्धवीर सिंह, डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति के सदस्य राजकुमार दहिया, संदीप कटारिया आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते बीईओ डॉ. अनिल गौड़ व अन्य।

रूद्रा कॉलोनीवासी ने बुनियादी सुविधाओं को लेकर सुधार की मांग

भिवानी। शहर के विकास के दावों के बीच तोशाम रोड और रूद्रा कॉलोनी क्षेत्र की बदहाल सड़कों और अव्यवस्थाओं ने क्षेत्रवासियों की चिंता बढ़ा दी है। रूद्रा कॉलोनीवासी बलबीर पपोसा ने क्षेत्र की जनता की समस्याओं को उठाते हुए शासन और प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़कों की खस्ताहाल स्थिति और सार्वजनिक सुविधाओं का अभाव आमजन के लिए मुसीबत बन गया है। बलबीर ने मुख्य रूप से रूद्रा कॉलोनी, तोशाम रोड गली नंबर-1 के सामने स्पीड ब्रेकर और यात्रियों की सुविधा के लिए बस क्यू शेल्टर बनवाने की मांग की है।

दमकल कर्मियों की शहादत का अपमान बर्दाश्त नहीं : सुमेर

■ वादा खिलाफी के विरोध में 8-9 अप्रैल को हड़ताल की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा में दमकल कर्मचारियों की लंबित मांगों और सरकार की वादा खिलाफी को लेकर आक्रोश चरम पर है। सर्व कर्मचारी संघ ने स्पष्ट किया कि सरकार ने दमकल कर्मियों की जायज मांगों पर तुरंत संज्ञान नहीं लिया तो 8 और 9 अप्रैल को होने वाली राज्य स्तरीय हड़ताल ऐतिहासिक होगी। संघ ने चेतावनी दी कि गेहूं की कटाई के सीजन में आगजनी से कोई नुकसान होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुमेर आर्य, जिला सचिव धर्मबीर भाटी, जिला वरिष्ठ उपप्रधान सूरजभान जटासरा, जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र दिनोद व ब्लॉक प्रधान अशोक गोयत ने संयुक्त बयान में कहा कि सरकार दमकल कर्मियों की जान की कीमत नहीं समझ रही है। उन्होंने फरीदाबाद के मुजेसर में 16 फरवरी को लगी भीषण आग का जिक्र करते हुए कहा भवीचंद शर्मा व रणवीर सिंह ने दूसरों की जान बचाते हुए अपनी जान की आहुति दे दी, लेकिन सरकार ने आज तक उन्हें शहीद का दर्जा तक नहीं दिया। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि 18 मार्च को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर वार्ता का समय मांगा था।

सेवानिवृत्ति पर शिक्षकों को किया सम्मानित

भिवानी। वैश्य मॉडल स्कूल में सेवानिवृत्त शिक्षक के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान अतिथियों ने सेवानिवृत्त अध्यापक अध्यापिकाओं की उपलब्धियों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर ओल्ड इज गोल्ड की उक्ति को दोहराया। उन्होंने कहा कि जिनका वर्तमान, भूत और भविष्य अच्छा होता है, उनकी विदाई नहीं बल्कि स्वागत होता है, ये बात वैश्य मॉडल स्कूल प्रबंधकारिणी समिति के महासचिव बृजलाल सर्राफ ने कही।
कार्यक्रम में प्राइमरी विंग की इंचार्ज मीना खत्री , पीजीटी हिंदी ऊषा गर्ग, पीजीटी संस्कृत उर्मिला अग्रवाल, पीजीटी इंग्लिश डीएन साहू एवं प्राइमरी अध्यापिका गीता मिश्रा की सेवानिवृत्ति पर उन्हें सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के पदाधिकारियों तथा प्राचार्या ने सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया ।

भिवानी। विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करते अतिथि।

भिवानी। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी।

बोर्ड का पोर्टल बंद करना मजदूरों के साथ धोखा

भिवानी। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा राज्य कमेटी की बैठक पृथ्वी प्रभात भवन हिसार में हुई। बैठक की अध्यक्षता भवन निर्माण मजदूर संघ इंटक राज्य अध्यक्ष धर्मबीर लोहान ने की मीटिंग का संचालन भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू के राज्य महासचिव ने किया। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने बताया कि सरकार ने पिछले 10 महीनों से श्रम कल्याण बोर्ड का पोर्टल बंद किया हुआ है। ये निर्माण मजदूरों के साथ धोखा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त मोर्चा लगातार निर्माण मजदूरों की समस्याओं से सरकार को अवगत करवा रहा है श्रममंत्री ने पिछले दिनों प्रेस को बयान देते हुए कहा कि हरियाणा में मजदूरों कि वर्कशलिप की वेरिफिकेशन की हैं और 90 प्रतिशत मजदूर फर्जी पाए गए हैं, ये गलत तरीके से वेरिफिकेशन की गई हैं, क्योंकि बोर्ड के लगातार बदलते नियमों के कारण मजदूरों को दोबारा वर्कस्लीप लगानी पड़ी थी।

दृढ़ता एवं पराक्रम का जीवित प्रतिबिंब थे चौधरी जंगबीर : सांसद जयप्रकाश

■ निर्भीक सैनिक के तौर पर स्मरणीय रहेंगे चौधरी जंगबीर सिंह: जनरल डीपी वत्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पूर्व सांसद एवं भारतीय सेना के वीर सैनिक रहे चौधरी जंगबीर सिंह के निधन से समूचे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

सोमवार कोउनके निवास स्थान पर शोक प्रकट करने सांसद जयप्रकाश, पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स, विधायक रामकुमार गौतम, विधायक घनश्यामदास सर्राफ, मनीषा सांगवान आदि पहुंचे। पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स ने कहा कि भारतीय सेना की प्रतिष्ठित राजपूताना राइफल्स की 9वीं यूनिट के गौरवशाली सैनिक रहे चौधरी जंगबीर सिंह ने देश की सेवा को अपने जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य माना। सांसद जयप्रकाश ने कहा कि चौधरी जंगबीर सिंह दृढ़ इच्छाशक्ति, पराक्रम और जनसेवा की भावना के सजीव उदाहरण थे।

भिवानी। पूर्व सांसद जंगबीर सिंह के निधन पर उनके पुत्र कमल प्रधान व हरिकेश पंघाल को सांत्वना देते हिसार के सांसद जयप्रकाश। *फोटो : हरिभूमि*

शिक्षकों ने चलाया मिशन-एडमिशन अभियान

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव रतेरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य आजाद सिंह, डीपीई देवेन्द्र, पीटीआई बलजीत, अजय जांगड़ा, अंकित, कपूरसिंह, सत्यवान, प्रेमचंद, सुधीर, बजरंग, मोतीराम आदि ने मिलकर गांव में मिशन-एडमिशन को लेकर अभियान चलाया। प्रधानाचार्य ने स्टाफ की टीमें गठित की, जो गांव के अनेक हिस्सों में स्लोगनों व पंपलेट लेकर जागरूकता अभियान चलाते हुए एवं विभाग द्वारा राजकीय विद्यालयों में दी जाने वाली सुविधाओं की तमाम जानकारियां देते हुए परिजनों को जागरूक किया। शिक्षकों ने बताया कि राजकीय विद्यालयों में अनेक प्रक्रियाओं से गुजरकर और टेस्ट देकर स्टाफ की नियुक्तियां होती हैं, जबकि निजी विद्यालयों में सुविधाओं के बारे में सभी जानते हैं और शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता भी कम होती हैं। उन्होंने सरपंच, पंचों व मौजिजान व्यक्तियों से मिलकर राजकीय विद्यालय में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

बवानीखेड़ा। मिशन-एडमिशन अभियान चलाकर जागरूक करते गांव रतेरा के शिक्षक।

आशा वर्कर्स ने किया रोष प्रदर्शन, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

न्यूनतम वेतन 30,000 व पक्की नौकरी देने की मांग

मांगें न मानने पर प्रदेश की 20 हजार आशा वर्कर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा के आह्वान पर भिवानी की आशा कर्मियों ने उपयुक्त कार्यालय भिवानी पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री व मिशन निदेशक के नाम ज्ञापन भेजकर 30000 रुपये न्यूनतम वेतन लागू करने, आशा कर्मियों को पक्का करने, हड़ताल के दौरान काटा वेतन जारी करने, वेतन व इंसेंटिव में बढ़ोतरी, रिटायरमेंट की 65 वर्ष किए जाने, रिटरमेंट पर दो लाख रुपये जारी करने की मांग की। रोष प्रदर्शन की अध्यक्षता यूनियन नेत्री दर्शना बलियाली ने की व संचालन सीटू नेता सुखदेव पालुवास ने किया।

भिवानी। लघु सचिवालय परिसर के बाहर नारेबाजी करती आशा वर्कर्स व अन्य।

मामूली वेतन व इन्सेंटिव में गुजारा करने के लिए मजबूर किया जा रहा

रोष प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू व यूनियन नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के झूठे नारे दे रही है। आशा वर्कर्स को लगाते समय जच्चा-बच्चा की सुरक्षा के लिए लगाया गया था। मगर अब आशा वर्कर्स पर लगातार काम का दबाव बढ़ाया जा रहा है। मगर इसके बावजूद भी मामूली वेतन व इन्सेंटिव में गुजारा करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। आशा वर्कर्स को ना कर्मचारी का दर्जा दिया जा रहा है और न ही मजदूर मानकर न्यूनतम वेतन दिया जा रहा हैं। आशा कर्मियों पर ऑनलाइन काम का दबाव बढाया जा रहा है। वर्ष 2023 में हड़ताल के दौरान का काटा गया इंसेटिव समझौते के बावजूद जारी नहीं किया जा रहा है। वर्ष 2025 में केन्द्र सरकार द्वारा घोषित 1500 रुपये मानदेय आज तक लागू नहीं किया गया है। आशा नेताओं ने सरकार को चेताते हुए कहा कि जल्द मांगों को लागू नहीं किया गया तो प्रदेश की 20000 आशा वर्कर्स अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए मजबूर होगी। रोष प्रदर्शन को सीटू नेता अनिल, किसान सभा नेता कामरेड ओमप्रकाश, यूनियन नेत्री दर्शना बलियाली, लक्ष्मी, अन्जू बवानीखेड़ा, मीना, पिंकी, मनिषा चांग, जगवन्ती गुजरानी व सन्तोष दिनोद आदि ने अपने विचार रखे।